माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
राजनीति वि.	1 3 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

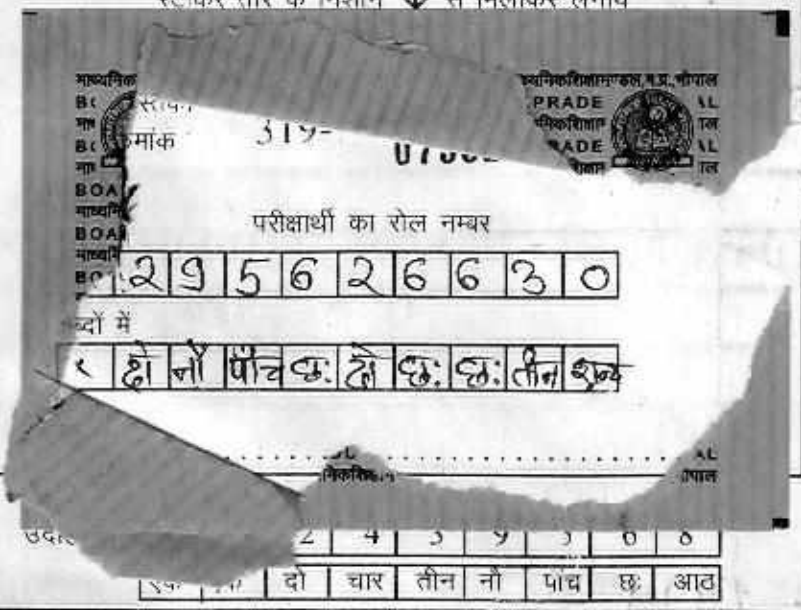

2	9	5	6	2	6	6	3	0

शब्दों में

२	दो	नौ	पाँच	छः	दो	छः	छः	तीन	शून्य

उदा...

		2	4	3	9	5	6	8
एक	...	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क :— पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 0 शब्दों में

ख :— परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 02

ग :— परीक्षा का दिनांक 26 | 03 | 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 561029

हायर सेकण्डरी परीक्षा-

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Narmada श्रीमती नर्मदा नंदोर	

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
S 15275	F.S. Meravi Adhyapak Reg.No.-17885

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक

2

योग पूर्व पृष्ठ	पृष्ठ 2 के अंक	कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक . 01

0753201

(i)
उ. 1950 ।

(ii)
उ. बेलग्रेड ।

(iii)
उ. कारगिल युद्ध, 1999

(iv)
उ. अनुच्छेद 7 ।

(v)
उ. अशिक्षा ।

प्र. क्र. 02

(i) डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ।

(ii) 1953 ।

(iii) बांग्लादेश ।

(iv) सुरक्षा परिषद ।

(V) असमानता ।

B S E

F.S. Maravi
Adhyapak
Reg.No.-17688

③ [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 3 का जम कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(प्र. क्र. 3)

(i)
उ. संविधान में नीति-निर्देशक तत्व आयरलैण्ड के संविधान से लिए हैं।

(ii)
उ. न्यायमूर्ति फज़ल अली थे।

(iii)
उ. जकार्ता, इण्डोनेशिया की राजधानी में।

(iv)
उ. सन् 1962 में।

(v)
उ. आर्थिक उदारीकरण का अर्थ आर्थिक क्षेत्र में अनावश्यक प्रतिबंधों की समाप्ति से है।

(प्र. क्र. 4)

(i) असत्य।

(ii) सत्य।

(iii) असत्य।

(iv) सत्य।

प्रश्न क्र.

(v) सत्य।

(प्र.क्र.5)

(i) 1954।

(ii) 1945।

(iii) काठमाण्डू।

(iv) चार्टर।

(v) वैश्वीकरण।

(प्र.क्र.6) अथवा

उ. इस आयोग की मुख्य अनुशंसाएँ निम्न है –

1. भाषायी समरूपता प्रशासकीय कुशलता में सहायक है किन्तु इसकी निर्णायक नहीं है।

2. 'एक भाषा एक राज्य' के सिद्धान्त को निरस्त किया।

प्रश्न क्र.

प्र.क्र. 7 / अथवा

उ. मौलिक अधिकार निम्न है-

1. समता समानता का अधिकार

2. स्वतंत्रता का अधिकार।

प्र.क्र. 8 /

उ. सार्क के दो उद्देश्य -

1. सदस्य राष्ट्रों के मध्य क्षेत्रीय भावना का विकास करना,

2. सदस्य राष्ट्रों के मध्य परस्पर आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाना।

प्र.क्र. 9 /

उ. ताशकंद समझौता भारत व पाकिस्तान के मध्य हुआ। प्रमुख शर्तें -

1. दोनों राष्ट्र युद्धविराम की शर्तों का पूर्ण निष्ठा से पालन करेंगे,

2. दोनों राष्ट्र पुनः राजनीतिक - आर्थिक संबंधों को स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

प्रश्न क्र.

प्र. क्र. 10

उ. भारत विभाजन के मुख्य कारण निम्न हैं-

1. मुस्लिम लीग के समक्ष कांग्रेस का नर्म रवैयी भी लीग के मनोबल को बढ़ाता गया तथा लीग ने पृथक राष्ट्र की माँग रखी।

2. जिन्ना ने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को आधार बना, पृथक राष्ट्र की माँग रखी थी।

प्र. क्र. 11

उ. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ निम्न हैं-

1. सर्वाधिक ~~विस्तार~~ विस्तृत व लिखित संविधान,

2. कठोरता व नमनीयता का अद्भुत सम्मिश्रण,

3. न्यायिक पुनरीक्षण व न्यायपालिका की स्वतंत्रता वाला संविधान।

सर्वाधिक विस्तृत व लिखित संविधान :- भारतीय संविधान संसार का सबसे विस्तृत लिखित संविधान है। इसमें 395 अनुच्छेद व 12 अनुसूचियाँ हैं। यह 5 परिशिष्टों में विभक्त है। इसकी विशालता का प्रमुख कारण कानूनों व नियमों की विस्तृत

प्रश्न क्र.

व्याख्या है। हमारे यहाँ राज्यों का पृथक् संविधान नही है, उनके अधिकार व शक्तियों का वर्णन भी इसी संविधान मे किया है। यह भारतीय की संसदीय प्रणाली के संचालन हेतु अत्यंत आवश्यक है।

(प्र.क्र. 12)

उ. भारतीय संविधान मे उल्लेखित उल्लिखित शब्दों का आशय निम्नानुसार है-

सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न :- संपूर्ण प्रभुता संपन्न से आशय है कि भारत एक संप्रभु इकाई है एवं यहाँ शासन, विधि-निर्माण व व्यवस्थापन मे आत्मनिर्भर है। इसका सम्बंध यह स्वयं निर्धारित करती है। अन्य बाह्य नियंत्रण से यह मुक्त है।

समाजवादी :- समाजवादी से आशय भारतीय लोकतंत्र समाज के समतावादी ढाँचे पर आधारित है तथा यहाँ सभी के साथ समान व्यवहार किया जाएगा।

धर्म निरपेक्ष :- धर्म निरपेक्ष से आशय राज्य की दृष्टि में सभी धर्म समान होंगे एवं राज्य का कोई भी आधिकारिक धर्म नही होगा। राज्य धर्म, जाति, वंश के आधार पर भेदभाव नही करेगा।

B
S
E

8

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र. (प्र.क्र. 13)

उ. संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख उद्देश्य निम्न लिखित है-

1. इसका प्रमुख उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना तथा शान्ति की स्थापना करना है।

2. इसका एक अन्य उद्देश्य राष्ट्रों के मध्य तनाव को कम करना तथा परस्पर मित्रता की स्थापना करना है।

3. इसका एक उद्देश्य यह भी है कि समस्त राष्ट्र परस्पर बंधुत्व, सहयोग व मित्रता के सूत्रों में बंध जाए।

(प्र.क्र. 14) 'अथवा'

उ. संयुक्त राष्ट्र के छः अंग निम्न है-

1. महासभा
2. सुरक्षा परिषद्
3. आर्थिक व सामाजिक परिषद्
4. न्यास परिषद्
5. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय,
6. सचिवालय।

+ =

क अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

(प्र०क्र. 15)

उ. पिछड़े वर्ग की प्रमुख विशेषताएँ निम्न है-

1. यह वर्ग, उच्च जाति से निम्न व निम्न जाति के मध्य मे स्थित होता है।

2. पिछड़ेपन का आधार शैक्षणिक व सामाजिक होता है।

3. पिछड़ी जाति की सदस्यता भी जन्म से निर्धारित होती है।

4. यह लोग, प्रायः छोटे किसान या छोटी नौकरी में कार्यरत होते है।

5. ~~इस~~ इनकी जनसंख्या कुल जनसंख्या में सर्वाधिक होती है किन्तु जातीय रूप से समेकता नही पाई जाती।

6. ये शासन की सेवाओं योजनाओं से ~~लाभान्वित~~ लाभान्वित होने के लिए पात्र होते है।

प्रश्न क्र.

प्र.क्र.16 अथवा

उ. भाषावाद पर अंकुश हेतु उपाय निम्न हैं-

1. राष्ट्रीय भावना का विकास :- देश में राष्ट्रीय भावनाओं का प्रचार किया जाए, जिससे भाषावाद पर रोक संभव हो सकेगी।

2. शिक्षा माध्यम क्षेत्रीय :- लोगों को साक्षर बना उन्हें भाषावादी बनने से रोक जा सकता है। इसके लिए शिक्षा का माध्यम क्षेत्रीय भाषा होनी चाहिए।

B
S
E

3. भाषावादी राजनीति पर अंकुश :- प्रशासन द्वारा भाषावादी राजनीति पर अंकुश लगाने का कार्य सख्ती से किया जाना चाहिए, जिससे लोगों में यह बात अधिक प्रचारित न हो।

4. हिन्दी का प्रचार-प्रसार :- हिन्दी भाषा ही राष्ट्रभाषा बनने योग्य है इस हेतु उसका प्रचार-प्रसार अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में किया जाना चाहिए। इससे [illegible] प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी।

प्रश्न क्र.

(प्र० क्र. 17) 'अथवा'

उ. महिला सशक्तिकरण के प्रमुख उपाय निम्न है -

1. महिला शिक्षा में वृद्धि :- महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने के लिए उन्हें शिक्षित करना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से ही महिलाएँ अपने अधिकारों का उचित प्रयोग करना सीख पाएगी।

2. महिलाओं में स्वावलंबन का विकास :- महिलाओं में यदि आत्मनिर्भरता का विकास किया जाए तो वे अधिक सशक्त हो पाएगी। इस हेतु हमें महिलाओं के द्वारा संचालित व उनके योग्य व्यवसायों की स्थापना करना चाहिए।

3. व्यवस्थापिका में महिलाओं के लिए आरक्षण :- राज्यों के विधान मण्डलों तथा संसद के दोनों में महिलाओं के लिए निश्चित स्थान आरक्षित कर उन्हें देश की राजनीति में आगे लाया जा सकता है।

4. महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ व आयोग :- स्त्रियों को सामाजिक अन्याय से बचाने के लिए महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ व आयोग की स्थापना करने से महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों में कमी आई है।

प्रश्न क्र. प्र. क्र. 19 "अथवा"

उ. गुटनिरपेक्षता नीति के चार प्रमुख लक्षण निम्न है -

1. शक्ति गुटों से सामान्य दूरी :- गुटनिरपेक्षता की नीति के अनुसार प्रत्येक गुटनिरपेक्ष राष्ट्र को शक्ति गुटों से सामान्य दूरी बनाकर चलना है। गुटनिरपेक्ष राष्ट्र शक्ति की राजनीति से तटस्थ रहते हैं।

2. स्वतंत्र विदेश नीति :- गुटनिरपेक्षता की नीति के अनुसार प्रत्येक गुटनिरपेक्ष राष्ट्र अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करेगा। उसकी नीति में किसी अन्य राष्ट्र द्वारा हस्तक्षेप नही होना चाहिए।

3. विश्व शांति को प्रोत्साहन :- प्रत्येक गुटनिरपेक्ष राष्ट्र को यह चाहिए कि वह अपना योगदान विश्व शान्ति को बनाने व स्थायी करने में दे। गुटनिरपेक्ष राष्ट्र सदैव शांति के पक्षधर होते है तथा किसी भी हिंसक गतिविधि में सहयोगी नही होते है।

4. रंगभेद - उपनिवेशवाद का विरोध :- समस्त गुट-निरपेक्ष राष्ट्रो को चाहिए कि वे रंगभेद, उपनिवेशवाद, प्रजातिवाद को प्रोत्साहन न दे, तथा उनका विरोध करे

प्रश्न क्र. इस प्रकार वे संसार में समानता स्थापित करने में सहयोग देंगे।

(प्र.क्र. 19) 'अथवा'

उ. आशियान का पूरा नाम Association of South-East nations.

इसके प्रमुख उद्देश्य :-

1. यह संगठन सदस्य राष्ट्रों के मध्य परस्पर क्षेत्रीयता की भावना का विस्तार करेगा

2. यह सदस्य राष्ट्रों के मध्य आर्थिक व व्यापारिक सम्बंधों का विस्तार करने में सहयोग देगा.

3. इससे सदस्य राष्ट्र आपसी वार्ता से ही किसी समस्या का समाधान निकालेंगे।

4. सदस्य राष्ट्रों के नागरिकों को तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उनका विकास करेंगे.

5. समस्त सदस्य राष्ट्रों के सामाजिक - सांस्कृतिक व राजनैतिक संबंधों में सुधार लाया जाएगा।

प्रश्न क्र. प्र. क्र. 20

उ. चीन - भारत के बीच सन् 2013 में हुए सीमा सुरक्षा समझौते की प्रमुख शर्तें निम्न है -

1. दोनों ही राष्ट्र एक-दूसरे की प्रादेशिक अखण्डता का सम्मान करेंगे तथा सीमाओं का उल्लंघन नहीं करेंगे।

2. भारत - चीन सीमाओं के समीप किसी भी प्रकार का निर्माणकार्य दोनों ही देशों की सहमति से किया जाएगा,

3. वे क्षेत्र जहाँ भारत व चीन की संयुक्त सीमाएँ अन्य देशों से मिलती है, वहाँ वार्ता का तीसरा पक्ष संबंधित देश होगा,

4. भारत व चीन दोनों ही सीमाओं पर किसी भी प्रकार की घुसपैठ सम्बंधी कार्य को होने से रोकेंगे।

5. सीमा-पार से अवैध तस्करी को रोकने मे दोनों देश परस्पर सहायता करेंगे।

B
S
E

योग पूर्व पृ - + पृष्ठ 15 के अंक = कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र. प्र. क्र. 21

उ. आर्थिक उदारीकरण के प्रमुख उद्देश्य निम्न है-

1. इसका प्रमुख उद्देश्य व्यापार पर से आर्थिक प्रतिबंधों की समाप्ति है।

2. विश्व अर्थव्यवस्था का निर्माण करना इसका अन्य उद्देश्य है।

3. राष्ट्रों के मध्य अलगाव को दूर कर परस्पर सहयोग का विकास करना,

4. पूँजी का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करना,

5. रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना,

6. राष्ट्र में उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण उपयोग करना,

7. गरीबी को दूर करना तथा उच्च जीवन-स्तर की प्राप्ति करना,

8. विश्व में शांति स्थापित करने मे सहयोग देना,

9. पूर्ण रोजगार की प्राप्ति करना।

10. समाज में शांति स्थापित करना।

16

योग पूर्व पृष्ठ	पृष्ठ 16 के अंक	कुल अंक

प्रश्न क्र. (प्र. क्र. 22)

3. कश्मीर विवाद पर भारत व पाकिस्तान द्वारा दिये गये तर्क निम्नानुसार है –

भारत द्वारा दिए गए तर्क :-

1. भारत का कहना है कि कश्मीर का विलय भारत में भारत स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 में वर्णित शर्तों के अनुरूप हुआ है।

2. भारत में विलय की पुष्टि कश्मीर का सत्तारूढ़ दल आवामी लीग सन 1954 मे कर चुका है इस प्रकार यह पूर्णतः संवैधानिक है।

3. भारत मे विलय की दस्तावेजों पर कश्मीर के राजा हरिसिंह ने हस्ताक्षर भी किए है।

4. जनमत संग्रह को लेकर भारत का कहना है कि यह प्रावधान मे नही जुड़ा है।

पाकिस्तान द्वारा दिए गए तर्क :–

1. पाकिस्तान यह मुद्दा हर बार जनमत संग्रह को आधार बनाकर उठाता है। पाक का कहना है कि वचन अनुसार भारत ने कश्मीर मे जनमत संग्रह नही कराया है।

निरंतर

प्रश्न क्र.

2. पाकिस्तान का तर्क है भौगोलिक व व्यापारिक रूप से कश्मीर की निकटता पाकिस्तान से ज्यादा है।

3. स्वतंत्रता के पूर्व कश्मीर का अधिकांश व्यापार पाकिस्तानी क्षेत्र से होता था।

(प्र. क्र. 23)

उ. अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग का गठन निम्नानुसार है –

गठन :– अनु. जाति व जनजाति आयोग मे 5 सदस्य होते हैं। इनमे एक अध्यक्ष व एक उपाध्यक्ष होता है। इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 5 वर्ष के लिए होती है। इन्हें व्यवहार न्यायालय के समकक्ष शक्तियाँ प्राप्त होती है।

विकास योजनाएँ :–

1. विदेशी छात्र वृत्ति योजना :– इस वर्ग के योग्य व पात्र उम्मीदवारों को भारत सरकार के कल्याण ~~मंत्रालय~~ मंत्रालय द्वारा विदेशी छात्रवृत्ति दी जाती है। ऐसे छात्र जो उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाते है। उन्हें यह सेवा प्राप्त होती है।

प्रश्न क्र.

2. आठवीं कक्षा तक व बाद की कक्षाओं में छात्रवृत्ति :-

इस वर्ग के आर्थिक रूप से निर्धन लोगों को शिक्षा प्राप्ति के लिए आठवीं तक उनके सभी बच्चों को तथा आठवीं के बाद हो बच्चों को छात्रवृत्ति की योजना है।

3. प्रशिक्षण की व्यवस्था :- इस वर्ग के अभ्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु कॉलेज स्तर पर प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। इसका खर्च केन्द्र व राज्य सरकार देती है।

4. खाद्यान्न के वितरण में :- इस वर्ग के अत्यंत गरीब तबके के लिए शासन द्वारा खाद्यान्न को रियायती मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है। इससे इनका दो समय का भोजन सुनिश्चित किया जाता है।

5. विशेषाधिकारी की व्यवस्था :- इस वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए एक विशेषाधिकारी की नियुक्ति की गई है। जो इनके विरुद्ध होने वाले अपराधों की जाँच करेगा तथा संबंधित प्रतिवेदन शासन को भेजेगा।

प्रश्न क्र.

(प्र. क्र. 25)

3. आर्थिक असमानता :- आर्थिक असमानता से आशय है, समाज का गरीब व अमीर वर्ग में विभक्त हो जाना। इस प्रकार समाज में संपत्ति का केन्द्रीयकरण कुछ लोगों के पास हो जाता है एवं अन्य लोग अत्यंत दयनीय अवस्था में जीवनयापन करने को मजबूर हो जाते हैं।

प्रमुख कारण —

1. असंतुलित औद्योगिक विकास :- भारत में आर्थिक असमानता का एक बड़ा कारण देश में असंतुलन में हुआ विकास है। देश में उद्योगों का केन्द्रण मात्र कुछ ही राज्यों में हुआ है। इस कारण शेष भाग आर्थिक रूप से पिछड़ा रह गया है। इस देश में प. बंगाल, तमिलनाडु औद्योगिक प्रदेश हैं।

2. कृषि का पिछड़ापन :- हमारे देश में कृषि आज भी पिछड़ी अवस्था में है। हरित क्रांति का लाभ केवल पंजाब हरियाणा जैसे राज्यों को मिला। शेष भारत में मृदा सुधार संबंधी कोई भी कार्य नहीं किए गए हैं। यही कारण रहा है भारत में आर्थिक असमानता का।

BSE

प्रश्न क्र.

3. विकास योजनाओं की आंशिक सफलता :- भारत में प्रारम्भ की गई, विकास योजनाओं के लक्ष्य तो अत्यंत श्रेष्ठ थे किन्तु इनका लाभ आर्थिक रूप से निर्बल वर्ग की अपेक्षा उस सशक्त वर्ग ने हथिया लिया जो पहले से सशक्त था। इस प्रकार यह एक अपूर्ण विकास कार्यक्रम रहा।

4. राजनीतिक स्वार्थ :- हमारे देश में राजनेता जनता की भलाई की अपेक्षा वर्ग-विशेष के हित साधन में लगे रहते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि नेतावर्ग के द्वारा ही राष्ट्रीय सम्पत्ति का निजीकरण कर उसे सामान्य जनता के लिए निषेध कर दिया जाता है।

(प्र. क्र. 25)

3. पर्यावरण से आशय :- 'पर्यावरण' शब्द का अर्थ चारों ओर के आवरण से होता है। 'पर्यावरण' दो शब्दों 'परि' व 'आवरण' का योग है। इस प्रकार वह समस्त क्रियाएं व पदार्थ जो हमें घेरे रहते हैं, पर्यावरण कहलाते हैं।

पर्यावरण ह्रास या प्रदूषण के प्रकार :-

निरंतर

9mmx16 + 99.1x33 = Copier Label A4

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 21 के अंक | कुल अंक

प्रश्न क्र.

1. वायु प्रदूषण :- वायु जीवन के सर्वाधिक आवश्यक तत्व है। वायु की संघटन में किसी भी प्रकार का अवांछनीय पदार्थ जो उसे प्रदूषित करे, वायु प्रदूषण है। प्रमुख कारक - CO, धूल कण आदि।

2. मृदा प्रदूषण :- मृदा जीव जगत का आधार है। मृदा की संरचना में किसी भी प्रकार का भौतिक, रासायनिक परिवर्तन जो उसे प्रदूषित करे मृदा प्रदूषण कहलाता है। इसके प्रमुख कारक - प्लास्टिक, रासायनिक पदार्थ आदि।

3. जल प्रदूषण :- जल एक प्राकृतिक तत्व है एवं इसमें किसी बाह्य अशुद्धि या अपशिष्ट के मिल जाने इसमें जो गंदापन या विकृति आ जाती है, वह जल प्रदूषण कहलाती है। प्रमुख कारक -
1. औद्योगिक अपशिष्ट,
2. घरेलू अपशिष्ट।

4. ध्वनि प्रदूषण :- अवांछनीय ध्वनि शोर कहलाती है। वह ध्वनि तरंगे जो अप्रिय हो, मानव मस्तिष्क को कष्ट पहुँचाए वही ध्वनि ध्वनि प्रदूषण का कारण बनती है। प्रमुख कारक -
1. ध्वनि विस्तारक यंत्र,
2. बड़े वाहनों का शोर।

B
S
E

SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

5. रेडियोधर्मी प्रदूषण :- रेडियो सक्रिय तत्व जैसे - यूरेनियम, थोरियम, बेरिलियम आदि का प्रयोग उद्योगों में कर इनका निस्तारण कर दिया है। ये रेडियो सक्रिय तत्व वातावरण में अत्यंत तीव्र विकिरण छोड़ते हैं। जिससे वातावरण में रेडियोधर्मी प्रदूषण फैलता है।

(प्र. क्र. 26) अथवा

उ. भारतीय विदेश नीति की प्रमुख विशेषताएँ निम्न हैं -

1. गुटनिरपेक्षता
2. स्वतंत्र नीति का अनुसरण
3. पञ्चशील सिद्धांत
4. शांतिपूर्ण सहजीविता
5. विश्व शान्ति।

गुटनिरपेक्षता :- भारतीय विदेशनीति की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विशेषता गुटनिरपेक्षता है। इस नीति के कारण ही भारत अपनी पृथक पहचान बनाने में सफल हो पाया है। गुटनिरपेक्षता से आशय शक्ति की राजनीति से पृथक रहना एवं स्वयं का आर्थिक विकास करना। इस

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रकार यह राष्ट्र को बाहरी नियंत्रण से मुक्त रखती है।

स्वतंत्र नीति का अनुसरण :- भारतीय विदेश नीति पुरी तरह स्वतंत्र व राष्ट्रीय नीति - निर्माताओं के द्वारा निर्धारित की जाती है। इस प्रकार हम किसी भी समस्या पर अपना स्वतंत्र पक्ष रख पाते हैं।

पञ्चशील सिद्धांत :- भारतीय विदेशनीति की एक प्रमुख विशेषता 'पञ्चशील सिद्धांत' है। भारतीय नीति निर्माताओं ने पंचशील का अनुसरण कर ही अपनी नीतियों का निर्माण किया है। इस प्रकार यह सिद्धान्त हमारी नीतियों की कुंजी है।

शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व :- भारत सदा से ही शांति की स्थापना एवं सभी के समान के विकास में विश्वास रखता है। भारत का मानना ही यह है संसार के समस्त राष्ट्र शान्तिपूर्वक अपने विकास में तल्लीन रहे, जिससे राष्ट्रों का परस्पर विकास हो

…नी :- भारतीय विदेश नीति का वृहत् लक्ष्य … संसार में शान्ति स्थापित करने …ा देना तथा विश्व में युद्ध की … को परिसीमित करना है। इस हेतु … सदैव से ही ऐसी संस्थाओं से जुड़ा है … विश्व-शान्ति को मजबूत करने के क्षेत्र में

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

कार्य कर रही है। इस प्रकार भारत की विदेश नीति एक आदर्श विश्व के निर्माण में सहायता कर रही है।

B
S
E